ब्रिटिशकालीन भारत का इतिहास

पी॰ ई॰ रॉबर्ट्स

Scanned by TapScanner

954

विषयानुक्रमणिका

खण्ड एक

अध्याय		पृष्ठ
१.	प्राकृतिक एवं भौगोलिक विशिष्टताएँ	१
२.	भारत में अंग्रेजों के आने से पहले के राजनीतिक इतिहास की रूपरेखा	५
३.	भारत के साथ यूरोप का व्यापार	९
४.	लन्दन ईस्ट इण्डिया कम्पनी का जन्म	१४
५.	पूर्व में अंग्रेज, डच तथा पुर्तगाली	१९
६.	भारत में प्रारम्भिक बस्तियाँ; स्टुअर्ट, राष्ट्रमण्डल, रक्षक शासन तथा पुनःस्थापन के अधीन कम्पनी	२३
७.	नयी ईस्ट इण्डिया कम्पनी	३३
८.	बस्तियों का विकास (१७०८-४६) तथा ऑस्टैण्ड कम्पनी	४३
९.	पूर्व में अंग्रेजों का जीवन	५५
१०.	एक्स-ला-चेपल की सन्धि तक भारत में अंग्रेजों एवं फ्रांसीसियों की स्थिति	६८
११.	कोरोमण्डल तट पर अंग्रेज और फ्रांसीसी (डूप्ले के वापस बुलाए जाने तक)	७९
१२.	भारत में अंग्रेज और फ्रांसीसी (पेरिस सन्धि तक); फ्रांसीसियों की पराजय के कारण	९०
१३.	बंगाल की क्रान्ति : प्लासी की लड़ाई तथा बंगाल में क्लाइव की प्रथम गवर्नरी	९७
१४.	बंगाल में कुशासन : क्लाइव की दूसरी गवर्नरी तथा सुधार	११२
१५.	वारेन हेस्टिंग्ज का प्रशासन (रुहेला-युद्ध की समाप्ति तक)	१२६
१६.	वारेन हेस्टिंग्ज : रेगुलेटिंग एक्ट तथा नन्दकुमार का मुकद्दमा	१३६
१७.	वारेन हेस्टिंग्ज : पश्चिमी एवं दक्षिणी भारत में युद्ध	१४५
१८.	चेतसिंह तथा अवध की बेगमें : वारेन हेस्टिंग्ज पर अभियोग	१५२
१९.	आन्तरिक सुधार ; प्रसिद्ध अर्थव्यवस्था ; लॉर्ड कॉर्नवालिस तथा सर जॉन शोर	१६७

Scanned by TapScanner

अध्याय पृष्ठ

२०. सीमा-विस्तार ; लॉर्ड वेलेजली ; सहायक समझौते एवं अनुबन्ध १८४
२१. संविलयन नीति की प्रतिक्रिया १९७
लॉर्ड कॉर्नवालिस, सर जॉर्ज बार्लो, लॉर्ड मिण्टो २०७
२२. मराठा राज्य संघ की पूर्ण पराजय ; लॉर्ड हेस्टिंग्ज २१८
२३. प्रथम बर्मा युद्ध ; लॉर्ड एम्हर्स्ट २२३
२४. लॉर्ड विलियम बेंटिक और आन्तरिक सुधार २३०
२५. प्रथम अफ़गान युद्ध ; लॉर्ड ऑकलैण्ड तथा लॉर्ड एलनबरो २४१
२६. सिन्ध का विलय
२७. प्रथम एवं द्वितीय सिख युद्ध तथा पंजाब विजय ; लॉर्ड हार्डिंग तथा लॉर्ड डलहौजी २४७
२८. लॉर्ड डलहौजी : दूसरा बर्मा युद्ध, लय नीति २५७
२९. क्रान्ति के कारण, लॉर्ड केनिंग २६६
३०. क्रान्ति २७२
३१. ईस्ट इण्डिया कम्पनी का अन्त २८०

खण्ड दो

१. लॉर्ड केनिंग का प्रशासन : शान्ति एवं व्यवस्था २८९
२. लॉर्ड एल्गिन तथा लॉर्ड लारेन्स : अफ़गानिस्तान से सम्बन्ध २९६
३. लॉर्ड मेयो : शेर अली से सम्बन्ध, वित्तीय सुधार ३०६
४. लॉर्ड नॉर्थब्रुक : अफ़गान का मामला ३१०
५. युद्ध के प्रारम्भ तक लॉर्ड लिटन की अफ़गान नीति ३१७
६. द्वितीय अफ़गान युद्ध ३२६
७. लॉर्ड लिटन का आन्तरिक प्रशासन ३३४
८. लॉर्ड रिपन तथा सांविधानिक सुधार ३४०
९. लॉर्ड डफ़रिन ; इंग्लैण्ड, रूस एवं अफ़गानिस्तान ; उत्तरी बर्मा पर विजय ३४५
१०. लॉर्ड लैंसडॉन का प्रशासन ; उग्र नीति ३५३
११. सामाजिक एवं प्रशासनिक सुधार (१८८५-९२) ; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ३५९
१२. लॉर्ड एल्गिन का प्रशासन-काल : अकाल, प्लेग एवं सीमान्तीय युद्ध ३६४
१३. उत्तर-पश्चिम, अफ़गानिस्तान एवं फ़ारस के सन्दर्भ में लॉर्ड कर्जन की विदेश नीति ३७१

Scanned by TapScanner

अध्याय	पृष्ठ
१४. १९०४ का तिब्बत-अभियान	३७९
१५. कर्ज़नयुगीन आन्तरिक प्रशासन	३८८
१६. मुर्ले-मिण्टो सुधार ; अंग्रेज़ी-कसी सम्मेलन	३९९
१७. राज्याभिषेक दरबार ; मॉण्टेगू-चैम्सफोर्ड सुधार	४१०
१८. द्वैधशासन तथा असहयोग	४१९
१९. साइमन कमीशन तथा गोल मेज़ कॉन्फ्रेन्स	४२६
२०. परराष्ट्र-सम्बन्ध (१९१७-३७)	४३३
२१. १९३५ का अधिनियम और अनुवर्ती घटनाएँ	४३६
२२. भारत और युद्ध (१९३९-४५)	४४७
२३. स्वाधीनता तथा विभाजन	४५७
२४. आर्थिक और सांस्कृतिक विकास	४६२

Scanned by TapScanner